(बी.ए.ऑनर्स) संस्कृत कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (**Assignment**)

(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC-107**
भारतीय सामाजिक संस्थान और राज्य व्यवस्था

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

(बी.ए.ऑनर्स) संस्कृत कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2023–24)

पाठ्यक्रम कोड : BSKC-107/2023-24

प्रिय छात्रों/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जॉच स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य यह जॉचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, इसी का मूल्यांकन करना इस सत्रीय कार्य का उद्देश्य है, यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है बल्कि अध्ययन के दौरान जो कुछ सिखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह उद्देश्य है।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये–

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे प्रदर्शित हैः

अनुक्रमांक :..
नाम :...
पता :...

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :........................
सत्रीय कार्य कोड :......................................
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :...................................
दिनांक :..

3) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का प्रयोग करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
4) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निम्न निर्धारित तिथि तक तवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :

जुलाई 2023 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2024
जनवरी 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगाः

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। पुनः इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी महत्वपूर्ण बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।
3. यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक एवं क्रमबद्ध हो।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्टता हो।
   ग) दिया गया उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) कोई भी उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक न हो।
   ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों।
4. **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसको साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
5. **विशेषः** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

भारतीय सामाजिक संस्थान और राज्य व्यवस्था
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड–बी.एस.के.सी-107
पाठ्यक्रमशीर्षक–भारतीय सामाजिक संस्थान और राज्य व्यवस्था
सत्रीय कार्य कोड : BSKC-107/2023-24

नोट : यह सत्रीय कार्य 02 खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। 15 अंक प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। 10 अंक के प्रश्नों का लगभग आठ सौ शब्दों में उत्तर देना है।

खण्ड–1

निर्देश– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिएः

15X4=60

1. भारतीय सामाजिक संस्थान की परिभाषा और उसके विषय क्षेत्र का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
2. सामाजिक व्यवस्था के आधार क्या हैं? विस्तारपूर्वक प्रकाश डालें।
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्णित कल्याण में राज्य के प्रारूप का वर्णन करें।
4. भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण विचारकों तथा उनके विचारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक हुए सामाजिक परिवर्तनों का वर्णन करें।
6. धर्म का अर्थ स्पष्ट करते हुए धर्म का महत्व और उसके स्रोत का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

खण्ड–2

निर्देश : अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4X10=40

1. धर्मशास्त्रीय ग्रंथों में प्रतिपादित सामाजिक संस्थानों का वर्णन करें।
2. शास्त्रों में वर्णित स्त्रियों की स्थिति पर निबंध लिखें।
3. सामाजिक व्यवस्था के आधार क्या हैं? स्पष्ट करें।
4. संस्कार शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए संस्कारों की संख्या पर प्रकाश डालें।
5. राज्य व्यवस्था के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन करें।
6. वेद कालिन अर्थव्यवस्था एवं राज्य व्यवस्था पर प्रकाश डालें।